ग्रीन वुड स्कूल
आदित्यपुरम ग्वालियर
कक्षा – 5
पाठ–1 (परिश्रम)

कठिन शब्द

मनचाही, मंजिल, पर्वत, उद्यम, चींटी, मूलमंत्र, उद्योग, परिश्रम

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
मनचाही	इच्छा
सागर	समुद्र
उद्योग	प्रश्न, कोशिश
उद्यम	परिश्रम, मेहनत
मूलमंत्र	सच्ची सलाह
मंजिल	लक्ष्य

वाक्य प्रयोग

परिश्रम– परिश्रम का फल मीठा होता है।
सागर– हवा बूंद को सागर की ओर ले गई।
मंजिल–सच्चे कर्मवीर ही मंजिल पाते हैं।
मनचाही–हर किसी की मनचाही इच्छा पूरी नहीं होती।
पर्वत– हिमालय देश का सबसे ऊँचा पर्वत है।

पाठ–2 (सच्चा धन)

कठिन शब्द

कर्तव्य, मुश्किल, अनिवार्य, वेबशी, आलीशान, दिव्य, सम्पत्ति, क्षमता, प्रदान, प्रसिद्ध

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
प्रदान	देने की किया, दान
प्रसिद्ध	मशहूर
निगाहें	नजरें
मुश्किल	कठिन
अनिवार्य	बहुत जरुरी
वेबशी	मजबूरी/लाचारी
आलीशान	बहुत शानदार
व्यर्थ	बेकार
क्षमता	शक्ति

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्नः सादी का पालन पोषण किसने किया।
उत्तरः सादी का पालन पोषण उसकी मां ने किया।

प्रश्नः स्वप्न में सादी को कैसा व्यक्ति दिखाई दिया।
उत्तरः स्वप्न में सादी को दिव्य प्रकाश वाला व्यक्ति दिखाई दिया।

प्रश्नः महल के चारों ओर क्या छाया हुआ था।
उत्तरः प्रश्नः महल के चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था।

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्नः सादी की मां अपना पहला कर्तव्य क्या समझती थी।
उत्तरः सादी की मां अपने बेटे की हर इच्छा को पूरा करना अपना पहला कर्तव्य समझती थी।

प्रश्नः लोगों की निगाहें आसमान में किसे देखने के लिए तरस रही थीं।
उत्तरः लोगों की निगाहें आसमान में चांद को देखने के लिए तरस रही थीं।

प्रश्नः सादी ने पहले कमरे का दरबाजा खोला तो क्या देखा।
उत्तरः सादी ने पहले कमरे का दरबाजा खोला तो देखा कि एक व्यक्ति रो–रोकर करहा रहा था,
ऐ खुदा मुझे ये धन दौलत नहीं चाहिए। मेरी सारी सम्पत्ति मुझसे ले–लो, लेकिन मुझे मेरी आंखों की रोशनी दे दो।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्रश्नः महल में तीनों आदमियों की बातें सुनने के पश्चात सादी ने क्या सोचा।
उत्तरः सादी ने सोचा कि खुदा ने तो मुझे बहुत धनवान बनाया है। मेरे पास आंख, कान, पैर सबकुछ हैं। मैं गरीब नहीं हूं। जिनके पास कुछ नहीं है, वे असली गरीब हैं।